ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE

Periodic Test - 2 (2017-18)

Std.: VI **Sub.: HINDI** **Marks : 50**

खण्ड क – अपठित गद्यांश

प्र. 1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो ।** (08)

सही दिशा में कदम उठाने के संकल्प में सच्चाई हो तो दुख का विष भी अमृत बन सकता है । आज की युवा पीढी में ऐसे कई संकल्पनिष्ठ हैं, जिन्होंने बने–बनाए सुरक्षित मार्ग को त्यागकर अपना मार्ग स्वयं निर्धारित किया । पहला कदम हमेशा छोटा होता है, साधारण–सा ही प्रतीत होता है, लेकिन यही असाधारण की ओर बढ़ने की संभावना जगाता है । जब हम खुद एक पौधा लगाते हैं, किसी के प्रति करुणा से भर जाते हैं । बस में खडे किसी वृद्ध को अपनी सीट दे देते हैं या हाथ पकडकर सड़क पार करवा देते हैं, तब हमें अपने ये कार्य महत्वहीन से प्रतीत होते हैं । वास्तव में ये ही हैं सुसंस्कारों के बीज । संभावना का असीम आकाश है नापने को, बस आवश्यकता है पहला कदम सही दिशा की ओर उठाने की ।

1) दुख का विष अमृत कब बन जाता है ?
2) संकल्पनिष्ठ युवा पीढ़ी कैसे मार्ग निर्धारित करती है ?
3) आगे बढ़ने वाला पहला कदम कैसा होता है ?
4) सुसंस्कारों के बीज कौन–से हैं ?
5) विलोम शब्द लिखो – क) सुरक्षित ख) करुणा
6) 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द लिखो ।
7) 'आवश्यकता' का अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग करो ।

खंड ख – व्याकरण

प्र. 2 क) **निर्देशानुसार उत्तर लिखो ।** (08)

1) शाहजहाँ द्वारा निर्मित ताजमहल एक विश्व प्रसिध्द इमारत है ।(संबंधबोधक शब्द रेखांकित करे)
2) राम ऐसे चिल्लाया ——— साँप देख लिया हो । (उचित समुच्चयबोधक शब्द भरो)
3) उपयुक्त उद्देश तथा विधेय लगाकर वाक्य पूरे करो ।
   क) दादाजी ———— ख) ———— के पास बहुत किताबें हैं ।
4) 'तीर' का अनेकार्थक शब्द लिखो ।
5) जो बहुत से रुप बनाए । (इन वाक्याशों के लिए एक शब्द लिखो)
6) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषणों का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए ।
   क) नौकर फूल लाया । ख) पिताजी की कमीज फट गई ।

ख) **सही विकल्प चुनकर लिखो ।** (04)

1) विशेषण की कितनी अवस्थाएँ होती हैं ?
   चार ☐ तीन ☐ दो ☐
2) मेरा घर स्टेशन ———— है ।
   के पास ☐ समान ☐ के उपर ☐

3) रीना होशियार है, ———————— परिश्रम नही करती ।
अथवा ☐ क्योंकि ☐ किंतु ☐

4) जिसके विषय में कुछ कहा जाए, उसे ———————— कहते हैं ।
वाक्य ☐ विधेय ☐ उद्देश्य ☐

खंड ग – पठित अवबोधन

प्र. 3 क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (08)

1) गोल, चमकीले रोडे को यदि दरिया और आगे ले जाता तो क्या होता ?
2) जबकी इस नियामत से जिंदगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा–भरा किया जा सकता है। तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है ?
3) लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की है ?
4) लक्ष्मीबाई का बचपन किस प्रकार के खेलों मे बीता ?

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सोच–समझकर अपने शब्दों में लिखो । (06)

1) आपकी पसंदीदा किताबें कौन सी हैं और क्यों ?
2) क्या राजप्पा ने टिकट अलबम जलाने की बात सब से छुपा कर सही किया ? कारण सहित उत्तर दीजिए ।

प्र. 4 निम्नलिखित पंक्तियों का सप्रसंग व्याख्या करो । (5)

1) बुझा दीप झाँसी का तब डलहौज़ी मन में हरषाया,
राज्य हडप करने का उसने यह अच्छा अवसर पाया,
फ़ौरन फौजें भेज दुर्ग पर अपना झंडा फहराया,
लावारिस का वारिस बनकर ब्रिटिश राज्य झाँसी आया ।

2) सिंहासन हिल उठे, राजवशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आयी फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की मन में सबने ठानी थी ।

प्र. 5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो । (6)

1) सुग्रीव का मूल निवास कहाँ था ? वे ऋष्यमूक पर्वत पर क्यों रहते थे ?
2) शबरी ने राम को क्या बताया ?
3) सीता को कौन उठा ले गया ? अपने मार्ग का संकेत देने के लिए सीता ने क्या किया ?

खंड घ – लेखन

प्र. 6 रुपरेखा के आधार पर निम्नलिखित विषय पर 120–150 शब्दों में निबंध लिखो । (5)

आँखों देखे मेले का वर्णन

भूमिका – मेला मनोरंजन का स्थल, उत्साह व उल्लास का संचार
विस्तार – मेले में जाने का कार्यक्रम ।
मंडपों का वर्णन ।
मेलें में विशेष आकर्षण जैसे; जादू का खेल खाने–पीने के स्टाल, खिलौनों की दुकाने, झूले आदि।